बार्षिक प्रतिबेदन 2024-25

मैं रोस कुल्लू, अध्यक्ष, ग्रामीण अंडा उत्पादक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड गुमला, ग्राम: भागीडेरा,बसिया की सातवीं आमसभा में उपस्थित अतिथि,सभी सदस्य सुपरवाइजर एवं कर्मचारी का हार्दिक अभिनंदन व् जोहार करती हूं।

समिति बनने का संक्षिप्त परिचय:

हमारी शीर्ष संस्था झारखण्ड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड रांची, ब्रॉयलर उत्पादन में पिछले 20 वर्षो से काम कर रही है, संघ का बहुत पुराना ये सपना था की ब्रॉयलर उत्पादन की भांति कॉमर्सिअल अंडे उत्पादन का भी समिति बने, इसके लिए संघ के द्वारा योजना बनाकर पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,एवं JSLPS झारखण्ड सरकार को दी थी।

संघ की यह प्रयास वर्ष 2016 में जाकर सफल हुई, झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास के द्वारा जोहार योजना के अन्तर्गत 300 लेयर शेड निर्माण की सिवीकृति संघ को मिली, संघ के पास गुमला जिले में किसी भी प्रखंड में यह योजना शुरु करने की छुट थी, पर संघ द्वारा बसिया एवं पालकोट प्रखंड का चुनाव किया गया, उसके बाद महिला विकास मंडल बसिया और झारखंड महिला स्वाबलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ रांची, की संयुक्त बैठकी का आयोजन किया गया एवं अंडा उत्पादन के दिशा में प्रथम चर्चा किया गया । लेयर मुर्गी घर का निर्माण हेतु झारखण्ड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ लिमिटेड रांची और JSLPS के बीच MOU की गई, सभी गावो में छोटे प्रोडूसर ग्रुप बनाया गया, JSLPS की माध्यम से फण्ड का वितरण छोटे प्रोडूसर ग्रुप(PG) को मिली।PG,JSLPS एवं संघ की निगरानी में मुर्गी घर के निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ ।

बसिया प्रखंड के सोलंगबिरा बरटोली, सोलंगबिरा खास, सोलंगबिरा पखनाटोली,तेतरा खास,केओन्झीटोली, आर्या बेरिटोली, आर्या खास, आर्या गोपालपुर, तेतरा पहारटोली अंबाटोली, तेतरा पाकरटोली, बसिया नवाटोली, सोनमेर बहिराटोली, कुम्हारी गढ़टोली, लुंगटु पतराटोली पंडराटोली, जोलो और लुंगटु खास, में 300 महिलाओं का लेयर मुर्गी शेड का निर्माण कराया गया।

अब जब 300 शेडो का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया उसे सुचारू रूप से संचालन के लिए पोल्ट्री सहकारी संघ के मार्गदर्शन में एक समिति का आवश्यकता महसूस किया गया। अतः झारखंड सरकार के सहकारिता विभाग में झारखंड स्वाबलंबी सहकारी समिति अधिनियम 1996 (2,1997)के धारा-5 के अधीन, दिनांक 21.07.2018 को ग्रामीण अंडा उत्पादक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, गुमला, नामक समिति का निबंधन कराया गया। जिसका निम्बंधन संख्या JKD/001/21.07.2018 है | और यह हमारे झारखण्ड राज्य की महिलओं द्वारा संचालित पहला कॉमर्सिअल अंडे उत्पादन की समिति है, जिसको भविष्य में अन्य लोग व् अन्य समिति हमेशा अनुसरण करेंगे ।

लक्ष्य:

हमारे समिति का लक्ष्य लेयर मुर्गी पालन के माध्यम से अन्डो के उत्पादन कर गावं की गरीब महिलाओं को आजीविका का स्थानीय श्रोत उपलब्ध कराकर स्वावलंबी एवं आर्थिक व सामजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है |

मिशन:

ग्रामीण महिलाओं को समिति की माध्यम से संगठित कर एक सूत्रधार एकता, शक्ति, प्रगति के पथ पर चलना पोल्ट्री जैसे बड़े उधोग के मापदंड के अनुरूप स्मॉल होल्डर पोल्ट्री के रूप में स्थापित कर के लेयर मुर्गियो का पालन उच्चस्तरीय तरीके से करना जिससे अन्डो का उत्पादन बेहतर हो, जिससे सदस्यों का अधिक से अधिक मुनाफा हो साथ ही हमारे जिले व राज्य के लोगो को ताज़ा सव्वछ एवं स्वादिस्ट अंडा उपलब्ध हो सके |

ऐसे आप सभी अपनी गावं की स्तिथि से परिचित है, पर मै थोड़ी बहूत आप सभी का ध्यान आकर्षण करना चाहती हूँ | गुमला जिला के बसिया प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में हम सभी का आजीविका का मुख्य श्रोत कृषि है पर वह भी पूरी तरह से बरसात पर निर्भर है, बारिश अच्छी हुई तो कृषि अच्छी होती है, नहीं हुई तो सुखा, पर ज्यादातर खेती की उपज खुद के खाने के लिए होती है, कुछ बहूत जंगल के फूल,फल,लकड़ी ओर पत्तियों से पत्तल बनाकर किसी प्रकार अपनी जीवन यापन करते है, पर ये सब भी मिला कर देखा जाये तो हमारा रोजगार पुरे साल में 2 से 3 महीने का हो पाता है, कुल मिलाकर 30 से 40 हजार के सालाना आमदनी हो जाती है |

पर जब से हम सभी ग्रामीण अंडा उत्पादक स्वावलंबी सहकारी समिति की सदस्या बने है लेयर मुर्गी का पालन कर अंडे का उत्पादन कर रहे हैं, मुझे ऐसा लगता है हमारी जीवन शैली ही बदल गई है, हमें इस काम को करने में 2 से 3 घंटे प्रतिदिन समय देना पड़ता है, इए काम को कर के हमें औसतन सलाना रु 45000 से रु 55000 आय की प्राप्ति हो रही है | हमारी समिति में अभी कुल 300 सदस्य है ।

समिति का वर्ष 2024-25 का उपलब्धि इस प्रकार है:

1) **कुल अंडो की बिक्री संख्या:** 19631197 (एक करोड़ छियानवे लाख इकतीस हजार एक सौ सत्तानवे पीस)
2) **कुल बिक्री किए गए अंडों का मूल्य** : ₹105567828/-(दस करोड़ पचपन लाख सड़सठ हजार आठ सौ अट्ठाईस रुपये)
3) **अंडों का औसत बिक्री दर:** ₹5.38 (पाँच रुपये अड़तीस पैसे)
4) **कुल कलबर्ड्स बिक्री संख्या**: 55 (पचपन पीस)
5) **कलबर्ड्स बिक्री की कुल मूल्य:** ₹5941/- (पांच हजार नौ सौ इकतालीस रुपये)
6) **कलबर्ड्स की औसत बिक्री दर:** ₹108.02 (एक सौ आठ रुपये और दो पैसे)
7) **सदस्यों को बीते साल ग्रोवर चार्ज का भुगतान:** ₹ 6854700.00(अड़सठ लाख चौवन हजार सात सौ रुपये)
8) **सदस्यों की अंश पूंजी में जमा राशी:** ₹ 302200.00 (तीन लाख दो हजार दो सौ रुपये)
9) **वित्तीय वर्ष 2024-25 में सहकारी समिति का व्यावसायिक लाभ:** ₹ 4886243.00 (अड़तालीस लाख छियासी हजार दो सौ तैंतालीस रुपये)

समिति के कार्यकारिणी सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:

1) रोस कुल्लू, सोनमेर बहिराटोली
2) गांगी मिंज, आर्या बेरिटोली
3) सरोज लकड़ा, सोलंगबीरा पखनाटोली
4) जीवंती देवी, सोलंगबीरा बारटोली
5) रंजिता तिर्की, तेतरा खास
6) चन्द्रमुनी देवी, बसिया नवाटोली
7) पुस्पा किरण बेक, लुंगटू खास
8) एग्लेन तोपनो, लुंगटू पंडराटोली
9) पुस्पा इंदवार, लुंगटू पतराटोली
10) गांगी तिर्की, जोलो
11) सरोज सोरेंग, आर्या खास

विगत बर्ष समिति में निम्नलिखित कार्य किये गए:

1) सभी सदस्यों को बैंक खाते के द्वारा ग्रोवर चार्ज का भुगतान ।
2) पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में सहकारी समिति को अंडा व्यवसाय में लाभ हुआ है। कार्यकारिणी सदस्यों ने निर्णय लिया है कि ₹3,96,760(तीन लाख छियानवे हजार सात सौ साठ) की राशि लाभांश के रूप में, उन सदस्यों के बीच वितरित की जाएगी । जिन्होंने पिछले वर्ष उत्पादन में योगदान दिया था।
3) वर्ष 2024-2025 तक समिति में सुपरवाइजर एवं अंडे का ग्रेडिंग व् पैकेजिंग के रूप में कुल 30 ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार देने का काम किया है |

आगामी वर्ष का योजना :

1) उत्पादन सुधार हेतु सदस्यों को प्रशिक्षण; ताकि ज्यादा से ज्यादा अंडा का उत्पादन हो और सदस्यों को सालाना आय में वृद्धि हो सके ।
2) यदि सहकारी समिति को सरकारी सहायता मिलती है तो जिस सदस्य का प्रदर्शन उत्कृष्ट होगा, उनकी पोल्ट्री शेड क्षमता बढ़ाई जाएगी.
3) समिति इस वर्ष पुलेट चुजा पालने के लिए ब्रुडिंग एवं ग्रोविंग शेड का निर्माण करने की योजना बना रही है। जिससे बाजार से पुलेट चूजा खरीदना न पड़े और समिति के सदस्यों को अच्छा क्वालिटी का पूलेट चूज़ा मिल सके।
4) वर्ष 2025-26 में समिति में एक अण्डा ट्रे फैक्ट्री बनाने की योजना बना रही है। समिति को बारिश के मौसम में बाजार से खरीदने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ट्रे फैक्ट्री के निर्माण होने से इन सभी समस्याओं का सामना समिति को नहीं करना पड़ेगा।

मै आज इस आम सभा की मंच से आप सभी को फिर से एक बार धन्यबाद देती हूँ की आप सभी की लगन व् मेहनत की बदोलत आज हम सब मिलकर हमारी समिति की सातवीं वार्षिक आम सभा सफल पूर्वक मना रहे हैं, कुछ रूकावटे तो जरुर आई, कुछ बाहरी लोग भी हमें बहकाने में लगे हुए थे, पर हम सब किसी की गलत बाते को नहीं सुने, ओर एकसाथ मिलकर इस कठिन समस्या को पार किया, इस सफलता का मुख्य कारण हमारा संगठित होना है, मै आप सभी से अनुरोध करती हूँ कि आप इसी प्रकार भविष्य में भी एकता के साथ प्रगति के पथ पर चलते रहे, साथ ही समिति से जुड़े हुए सभी सदस्या,बोर्ड की सदस्या, सुपरवाइजर, वर्कर, कर्मचारी पूरी ईमानदारी लगन व् मेहनत से अपना कार्य करते रहे तो ओ दिन दूर नहीं जब हम सब आत्मनिर्भर होंगे ओर हमारा समिति का नाम पुरे राज्य एवं देश-विदेश में विख्यात होगा।

मै रोस कुल्लू अपनी वाणी को विराम देते हुए आप सभी को जोहर करती हुं।

धन्यवाद।

रोस कुल्लू

रोस कुल्लू

ग्रामीण अंडा उत्पादक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड गुमला,भागीडेरा,बसिया